

भारत का परधान नरियात क्षेत्र

प्रलिमिंस के लयि:

[वैशवीकरण](#), [वसिकोस सटेपल फाइबर](#), [गुणवत्ता नरियेतरण आदेश](#), [उत्पादन आधारति प्रोत्साहन \(PLI\) योजना](#), [चकरवृद्धि वार्षकि वृद्धि दर](#), [परतयकष वदिशी नविश \(FDI\)](#), [राष्ट्रीय तकनीकी वसत्र मशिन](#)

मेन्स के लयि:

भारत का वसत्र उद्योग, संभावनाएँ और चुनौतियीँ, संबंघति सरकारी नीतियीँ और पहल

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यीँ?

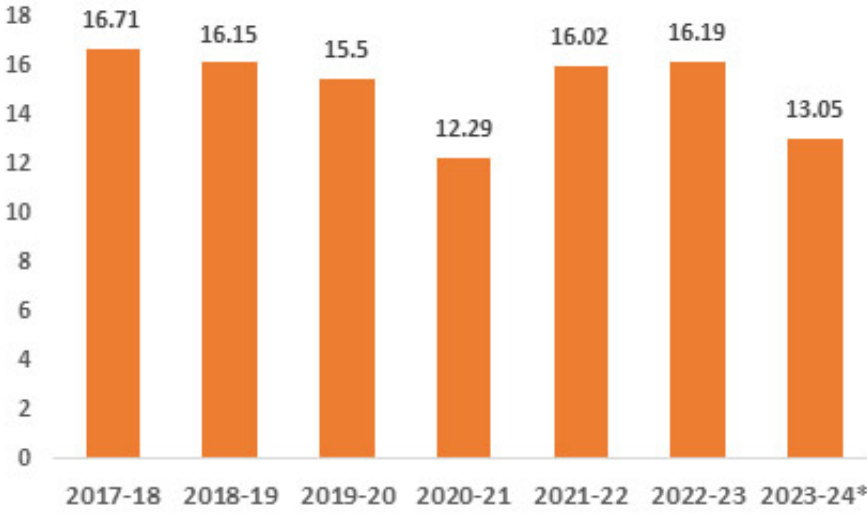
[भारत का परधान नरियात उद्योग](#), जो रोजगार में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है, लगातार गरिवट का सामना कर रहा है। [जलवायु परविरतन](#), प्रौद्योगिकी और व्यापार पर केंद्रति शोध समूह [ग्लोबल ट्रेड रसिर्च इनशिएटिवि \(GTRI\)](#) की एक हालिया रपिर्ट ने इस मंदी के पीछे के कारणों को उजागर कयिा है, जो बाह्य परतसिपर्द्धा के बजाय स्वयं द्वारा लगाए गए अवरोधों का संकेत देती है।

GTRI रपिर्ट की मुख्य वशिषताएँ क्यीँ हैं?

- नरियात मूल्य में गरिवट: सत्र 2023-24 में भारत का परधान नरियात 14.5 बलियिन अमेरीकी डॉलर था, जबकिसत्र 2013-14 में यह 15 बलियिन अमेरीकी डॉलर था।
 - इसी अवधके दौरान वयितनाम और बांग्लादेश के परधान नरियात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो क्रमशः 33.4 बलियिन अमेरीकी डॉलर एवं 43.8 बलियिन अमेरीकी डॉलर तक पहुँच गया।
 - गरिवट के बावजूद, चीन ने अभी भी लगभग 114 बलियिन अमेरीकी डॉलर के परधान नरियात कयि।
 - [वैशवीकरण](#) ने परतसिपर्द्धा बढ़ा दी है और उत्पादन को कम लागत वाले श्रम वाले देशों में स्थानांतरति कर दयिा है, जसिसे भारत की बाज़ार हसिसेदारी प्रभावति हुई है।

//

India's ready-made garment export (US\$ billion)



Source: Textile Export Promotion Council, Apparel Export Promotion Council

Note: *Until February 2024

- **व्यापार बाधाएँ:** इस क्षेत्र को आवश्यक कच्चे माल के आयात पर भारी शुल्क का सामना करना पड़ता है, जिससे उत्पादन अधिक महँगा हो जाता है।
 - पुराने रीत-रिवाज़ और व्यापार प्रक्रियाएँ चुनौतियों को बढ़ाती हैं, समय एवं संसाधनों की खपत करती हैं जिनका बेहतर उपयोग किया जा सकता है।
 - **पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर और वसिकोस स्टेपल फाइबर** जैसे कच्चे माल के लिये स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं का प्रभुत्व नरियातकों को अधिक महँगे स्वदेशी विकल्पों पर निर्भर रहने के लिये मजबूर करता है।
 - वस्त्र के आयात के लिये हाल ही में **गुणवत्ता नयित्रण आदेश (QCO)** ने आयात प्रक्रिया को जटिल बना दिया है, जिससे नरियातकों की लागत बढ़ गई है।
 - नरियातकों को महँगी घरेलू आपूर्ति का उपयोग करने के लिये मजबूर होना पड़ता है, जिससे भारतीय परधान वैश्विक स्तर पर कम प्रतस्पर्द्धी बन जाते हैं। नरियातकों को प्रत्येक आयातति घटक का सावधानीपूर्वक हिसाब रखना चाहिये जिससे जटिलता और लागत बढ़ सके।
- **उत्पादन आधारित (PLI) योजना:** वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई **उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना** ने पर्याप्त नविश आकर्षण नहीं किया है जैसे प्रभावी होने के लिये इसमें और अधिक संशोधनों की आवश्यकता है।
- **बढ़ते आयात:** भारत का परधान और वस्त्र आयात वर्ष 2023 में लगभग 9.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, इस बात की चिंता है कि अगर नरियात चुनौतियों का समाधान नहीं हुआ तो यह बढ़ सकता है।
- **वैश्विक बाज़ारों में सथिटिक वस्त्र:** विकसित देश मशरति सथिटिक्स से बने कपड़ों को पसंद करते हैं, जबकि भारतीय नरियात का केवल 40% से भी कम सथिटिक वस्त्र है।
 - सथिटिक्स में विविधता लाने से भारतीय नरिमाता साल भर काम कर सकते हैं, जिससे शरद ऋतु और सर्दियों के दौरान भी मांग पूरी हो सकती है।
 - भारतीय नरियातकों को **फास्ट फैशन इंडस्ट्री (FFI)** की तेज़ गतिवाली मांगों को पूरा करने की ज़रूरत है, जिसमें वॉलमार्ट, ज़ारा, H&M, गैप और अमेज़ॉन जैसे प्रमुख ऑनलाइन खुदरा विक्रेता शामिल हैं।
- **क्षेत्र में सुधार के लिये सफ़ारिशें:** सीमा शुल्क और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाने से नरियातकों पर समय एवं लागत का बोझ कम हो सकता है।
 - आवश्यक कच्चे माल पर शुल्क कम करने से उत्पादन लागत कम करने में मदद मिल सकती है।
 - कच्चे माल के लिये घरेलू बाज़ार में उचित प्रतस्पर्द्धा सुनिश्चित करने से नरियातकों के लिये लागत कम हो सकती है।

भारत के परधान उद्योग के संदर्भ में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- भारत में वस्त्र एवं परधान उद्योग **अत्यधिक विखंडित** है, जिसमें बड़ी संख्या में छोटे पैमाने के नरिमाता और फ़ैब्रिकेटर हावी हैं। लगभग 27,000 घरेलू नरिमाता, 48,000 फ़ैब्रिकेटर और 100 नरिमाता-नरियातक हैं। अधिकांश फर्म या तो स्वामित्व वाली हैं या साझेदारी वाली हैं।
 - उद्योग को **कुशल श्रमिकों के एक बड़े समूह** और विभिन्न क्षेत्रों में लगातार विकास से लाभ होता है, जो इसे भारत में एक प्रमुख संभावित क्षेत्र बनाता है।
 - भारत में कपड़ा और परधान उद्योग कृषि के बाद देश में **दूसरा सबसे बड़ा नयिकता है, जो 4.5 करोड़ लोगों को** प्रत्यक्ष रोज़गार तथा

संबद्ध उद्योगों में 10 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

- **प्रमुख उत्पादक और उत्पाद:** भारत दुनिया में कपास और जूट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। भारत दुनिया में रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी है और वशिव का 95% हाथ से बुना कपड़ा भारत से नरियात होता है।
 - तमलिनाडु एक प्रमुख सूती कपड़ा केंद्र है, जो देश के सूती धागे और कपड़ों के नरियात में 25% से अधिक का योगदान देता है।
- **बाज़ार वृद्धि:** वित्त वर्ष 2026 तक कुल कपड़ा नरियात 65 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है और वर्ष 2019-20 से 10% **चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR)** से बढ़कर वर्ष 2025-26 तक 190 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।
- **नरियात रुझान:** भारत एक बड़ा वनिरिमाण आधार के साथ कपड़ा और परधान का एक महत्त्वपूर्ण नरियातक है। **वर्ष 2022-23 में, कपड़ा और परधान नरियात** भारत के कुल नरियात का **8.0%** था, जबकि वैश्विक व्यापार में इसकी हसिसेदारी 5% थी।
 - सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक नरियात में कपड़ा उत्पादन में 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर हासलि करना है। भारत के कपड़ा और परधान उत्पाद, जनिमें हथकरघा और हस्तशलिप शामिल हैं, वशिव भर के 100 से अधिक देशों में नरियात कयि जाते हैं, जनिमें **अमेरिका, बांग्लादेश, यूके, यूई और जर्मनी** जैसे प्रमुख नरियात गंतव्य शामिल हैं।
 - **अमेरिका सबसे बड़ा आयातक है**, जो भारत के कुल नरियात का लगभग एक-चौथाई हसिसा है।
 - भारत ने **मई 2022** में यूई के साथ एक **मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** पर हस्ताक्षर कयि और कपड़ा एवं परधान नरियात को बढ़ावा देने हेतु यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, यूके, कनाडा, इजरायल व अन्य देशों/क्षेत्रों के साथ FTA पर बातचीत करने की प्रक्रिया में है।
 - इसके अतरिकित, भारत की **प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI)** नीति **एकल-ब्रांड उत्पाद खुदरा व्यापार में 100% FDI और बहु-ब्रांड खुदरा व्यापार में 51% तक FDI** की अनुमति देती है, जसिसे अंतर्राष्ट्रीय खुदरा विक्रेता भारत से स्रोत प्राप्त करने के लयि आकर्षित होते हैं तथा नए नरियात गंतव्यों से रुचि बढ़ाते हैं।
- **सरकारी पहल:**
 - **केंद्रीय बजट 2024-25:**
 - बजट 2024 में कपड़ा क्षेत्र के लयि बजट आवंटन **974 करोड़ अमेरिकी डॉलर बढ़ाकर 4,417.09 करोड़ अमेरिकी डॉलर** कर दयि गया है।
 - केंद्रीय बजट में नरियात के लयि परधान, जूते और अन्य चमड़े के उत्पाद बनाने के लयि गीले सफेद, क्रस्ट तथा तैयार चमड़े पर सीमा शुल्क को 10% से घटाकर 0% करने का प्रस्ताव है।
 - इसके अतरिकित, नरियात के लयि परधानों के नरिमाण में उपयोग हेतु **बत्तख या हंस से प्राप्त वास्तविक डाउन-फलिगि** सामग्री पर शुल्क को मौजूदा 30% से घटाकर 10% कर दयि जाएगा।
 - **परधान नरियात संवर्धन परिषद (AEPC):** वस्त्र मंत्रालय द्वारा प्रायोजित AEPC की स्थापना वर्ष 1978 में की गई थी। यह भारत से रेडीमेड गारमेंट के नरियात को बढ़ावा देने हेतु एक नोडल एजेंसी है।
 - इस परिषद का प्राथमिक उद्देश्य भारत में सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेंट के नरियात को बढ़ावा देना, आगे बढ़ाना और विकसिति करना है।
 - AEPC FTA, वदिश व्यापार नीति (FTP) और द्विपक्षीय समझौतों पर अनुसंधान एवं इनपुट प्रदान करके परधान उद्योग का समर्थन करता है।
 - **संशोधति प्रौद्योगिकी उन्नयन नधि योजना (ATUFS)**
 - **PM मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परधान (PM MITRA) पार्क**
 - परधान और मेड-अप के नरियात पर राज्य तथा केंद्रीय करों एवं शुल्कों में छूट (RoSCTL योजना)
 - **नरियातति उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (RoDTEP) योजना**
 - **राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मशिन (NTTM) समर्थ योजना**
 - **रेशम समग्र योजना**
 - **भारत टेक्स 2024**

भारत के परधान उद्योग को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ क्या हैं?

- **वैश्विक बाज़ार की मांग के साथ नरियात को संरेखति करना:** परधान उत्पादों और **सस्टेनेबल फैशन** के वनिरिमाण पर ध्यान केंद्रति करें जनिकी वैश्विक स्तर पर उच्च मांग है।
 - **बाज़ार-वशिषिट रणनीतियाँ:**
 - प्रत्येक देश द्वारा आयातति शीर्ष वस्तुओं की पहचान करना, जसिमें भारत का प्रतशित कम है।
 - अनुपालन मुद्दों को संबोधति करना और प्रतसिपर्द्धी देशों के साथ लागत तुलना करना। आपूर्त-मांग के अंतर को कम करने के लयि सूक्ष्म स्तर पर लक्षति हस्तक्षेप लागू करना।
- **ब्रांड नरिमाण को बढ़ावा देना:** प्रभावी ब्रांडिंग के माध्यम से भारतीय परधानों के कथति मूल्य को बढ़ाना।
 - ब्रांड छवि में सुधार और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुपालन के लयि **ग्लोबल ऑर्गेनिक टेक्सटाइल स्टैंडर्ड (GOTS)** जैसे प्रमाणन प्राप्त करना।
 - **वाणजिय एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा रेखांकति वर्ष 2030 तक 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के परधान नरियात लक्ष्य को पूरा करने के लयि कम-से-कम 1,200 नई वनिरिमाण इकाइयों की आवश्यकता होगी, जबकि अनुमान है कि इसमें केवल 200 इकाइयों की वृद्धि होगी।
 - भारतीय परधान उत्पादों की उचति ब्रांडिंग से **इकाई मूल्य प्राप्ति (UVR)** में वृद्धि हो सकती है, जसिसे नरियात अधिक प्रतसिपर्द्धी बन सकता है।
- **क्षमता नरिमाण:** कताई क्षमता के अनुरूप इन भागों के वसितार और आधुनिकीकरण में नविश करना। प्रमुख घरेलू अभनिताओं को क्षमता नरिमाण में लाभ को पुनः नविश करने हेतु प्रोत्साहित करना।
 - मूल्य शृंखला को मज़बूत करने और लागत प्रतसिपर्द्धात्मकता हासलि करने के लयि बुनाई, कपड़ा प्रसंस्करण तथा परधान नरिमाण में नविश करना।

- बाज़ारों और उत्पादों में वविधिता लाना: अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटन जैसे पारंपरिक बाज़ारों पर नरिभरता कम करना। [ETA](#) के माध्यम से मॉरीशस जैसे नए बाज़ारों की खोज करना।
 - बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिये मानव नरिमति फाइबर (MMF) वस्त्रों का उत्पादन बढ़ाना।
 - MMF मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं: सथिटिक (कचचे तेल से बने) और सेलयुलोसिक (लकड़ी के गूदे से बने)। सथिटिक स्टेपल फाइबर की मुख्य कसिमें पॉलिएस्टर, ऐक्रेलिक और पॉलीप्रोपाइलीन हैं, जबकि सेलयुलोसिक फाइबर में वसिकोस तथा मोडल शामिल हैं।
- ई-कॉमर्स अवसरों का लाभ उठाना: वैश्विक ई-कॉमर्स नरियात वर्ष 2030 तक 800 बलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।
 - भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापारिक नरियात लक्ष्य हासलि करना है, जसिमें 200 बलियन अमेरिकी डॉलर ई-कॉमर्स से आएंगे। देश में इंटरनेट की उच्च पहुँच और भारतीय प्रवासी समुदायों की मांग से इस वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
 - MSME के लिये ई-कॉमर्स महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह परधान नरियात को काफी हद तक बढ़ा सकता है। इसे प्राप्त करने के लिये, वनियामक अनुपालन को सरल बनाया जाना चाहिये और ई-कॉमर्स शपिमेंट हेतु अलग-अलग सीमा शुल्क कोड बनाए जाने चाहिये।
 - नरियात वसितार के लिये ई-कॉमर्स का उपयोग करने हेतु त्वरति, साहसकि और लक्षति दृष्टिकोण अपनाना महत्त्वपूर्ण है।

????? ???? ????:

प्रश्न. भारत के परधान उद्योग पर वैश्वीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये। इसने वैश्विक बाज़ार में इस क्षेत्र की प्रतसिप्रद्धी स्थतिको कैसे प्रभावति किये है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????? ????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2020)

1. पछिले दशक में भारत-शरीलंका व्यापार मूल्य में लगातार वृद्धि हुई है।
2. "कपड़ा और कपड़े से नरिमति वस्तुएँ" भारत व बांग्लादेश के बीच व्यापार की एक महत्त्वपूर्ण वस्तु है।
3. नेपाल पछिले पाँच वर्षों में दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

????? ????:

प्रश्न. भारत में अत्यधिक विकेंद्रीकृत सूती वस्त्र उद्योग के कारकों का वशिलेषण कीजिये। (2013)